## जीवनसाथी का चयन कैसा व कैसे हो... का शेष...

धार्मिक आस्थायें, खान पान और उससे जुड़े प्रत्येक व्यक्ति को जानकर उनके अनुरुप खुद को सिद्ध करना होता है जो अपने विपरीत हो तो बहुत मुश्किल है।

पत्नी एक परख पट्टिका है एक ऐसी कसौटी जिसकी सहायता से पुरुष अपने विचार, आशा, सपने, महत्वकांक्षाये, समस्याएं, अंर्तद्वंद्व इत्यादि से निपटता है।

विवाह अपने अस्तित्व की पहचान खोना नहीं। अपने साथी से साहस प्राप्त कर हम दुर्गम तथा असाध्य कार्यों को पूर्ण करने की क्षमता विकसित कर सकते है। इसका मतलब यह नहीं कि दोनों के शौक, दोनों के विचार एक होना चाहिये। सिक्के के दोनों तरफ का चित्र एक दूसरे से बिल्कुल मेल नहीं खाता, फिर भी दोनों में बुनियादी एकता होने की वजह से दोनों जीवनभर एक रहते है, आवश्यकता इस बात की नहीं कि दोनों के सब शौक एक हो, सब विचारों में समानता हो वरन् आवश्यकता इस बात की है कि एक के शौक से दूसरे को चिढ़ ना हो, असहनीय ना हो।

मान लीजिये ऐसे लड़के से शादी कर ली जिसके घर में रोज रोज मांस पकता है, रोज शराब और सिगरेट का सेवन खुले आम होता है और दूसरी तरफ दूसरे को केवल यह सोचकर ही उल्टियां आने लगे तो क्या वहां जीवन बिताया जा सकता है ? कई बार हम जान बूझकर इतनी असमानताओं में घुस जाते है कि जीवन दुरुह और कष्टप्रद साध्य हो जाता है। इंसान सब कुछ सहन कर सकता है लेकिन जन्म जन्मांतरो के जो संस्कार चले आ रहे है वह उसे निरंतर मथते रहते है जिनसे वह अलग नहीं हो पाता। ये भी सच है कि प्रथाएं और परम्पराएँ समय के साथ बनती है, उसमें सुधार होता है, बिगड़ती भी है, प्रगतिशीलता इस संसार की जरुरत है। इसी कारण हमारी प्रथाओं, परम्पराओं में समय समय पर संशोधन और परिमार्जन हो रहा है लेकिन जो हमें सुख, शांति और स्थायित्व दे उन्हें तो हमें मानना ही चाहिए।

आपसे ! अपने विचार प्रकट करने का एक ही उद्देश्य है कि हर शादी करने वाले का जीवन रेशमी, मधुर और स्थायी हो इसी में बंधन की शोभा है, सुख है। सार्थकता है इसी में बंधन का आनंद है।

शादी जीवन का वो पायदान है जहां आप अपने जीवन साथी का साथ पाकर खिल सके, पल्लवित हो सके, संवर सके, अपनी प्रतिभा को खुला आसमां दे सके। इसलिए एक दूसरे का हाथ थामने से पहले सारे पहलुओं पर अच्छे से विचार करें, परिजनों के अनुभवों का अवश्य लाभ उठाये, हम भारतीय संस्कृति के पुरोधा है यहां "ये नहीं तो वो, वो नहीं तो कोई और" नहीं चलता है। शादी के पहले इसके बिना एक पल भी नहीं जी सकता। शादी के बाद इसके साथ एक पल भी नहीं जी सकता।

मान लो हमने अपनी भूल सुधार के लिए बंधन तोड़ भी दिया तो आप परिजनों से, समाज से वो सम्मान और आदर कभी नहीं पा सकते जिसके आप हक़दार है क्योंकि यह आपका स्वयं का निर्णय था –

कई बार जिंदगी में ऐसी स्थिति बन जाती है कि "तुम्हारे आने से सिर्फ इतना फर्क़ आया जिंदगी में, पहले अकेले तन्हा थे, अब तुम्हारे साथ तन्हा हूँ", "जीवन के सफर में जहां बहारों के मेले है, वहीं गमों के रेले भी है।" जिंदगी को प्रीत प्रीत करने के लिए स्वच्छ हो, धवल हो, करनी कथनी पर अमल हो, प्रगति की चाह में, विवाह की राह में, स्वजनों को लेकर साथ बढ़े चलो बढ़े चलो। दाम्पत्य में जुड़ने वाले सभी का जीवन सरल, सुखद, आनंदित हो।

**– साधना जैन, आकाशवाणी, भोपाल**

## हार्दिक बधाईयाँ...

**श्री अमित कुमार जैन** एडीपीओ, सागर में पदस्थ है। उनके द्वारा किये गये उत्कृष्ट कार्यों के लिये स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर मा. मंत्री श्री हर्ष यादवजी द्वारा प्रशस्ति पत्र व स्मृति चिन्ह प्रदान कर सम्मानित किया गया।

नेपाल में होने वाली 13वीं साउथ एशियन गेम की भारतीय तैराकी टीम में **एनी जैन** का चयन हुआ। नेपाल में संपन्न हुई 400 मी. फ्री स्टाइल रिले तैराकी स्पर्धा में एनी जैन ने अपने साथियों के साथ मिलकर प्रथम स्थान प्राप्त कर स्वर्ण पदक हासिल किया। इनकी टीम ने 3.55.17 का समय लेकर स्पर्धा में प्रथम स्थान प्राप्त किया। आप सुरेशचंदजी जैन की पौत्री है।

भोपाल नगर के जाने माने धार्मिक व सामाजिक कार्यों को पूर्ण मनोयोग से करने वाले भाई **श्री राजेश जैन इतवारा** को श्री भारतवर्षीय दि. जैन श्रंत संवर्धिनी महासभा भोपाल संभाग का कोषाध्यक्ष मनोनीत किया गया है। आप गोलालारीय दर्शन पत्रिका के लिए भी सतत प्रयासरत रहते है। आपकी उपलब्धि पर गोलालारीय दर्शन पत्रिका की ओर से हार्दिक बधाई।

अजरबैजान की राजधानी बाकू में विश्व प्रेस काउंसिल की बैठक के अवसर पर अध्यक्षा डॉ. सुले अकेर (साइप्रस) को आचार्य शांतिसागरजी का चित्र भेंट करते हुए **श्री प्रदीप कुमार जैन** (दैनिक विश्व परिवार, झांसी) सदस्य, प्रेस काउंसिल ऑफ इंडिया ने उन्हें जानकारी दी कि 25 वर्षों तक निराहार उपवास रखने वाले दिगम्बर जैन संत आचार्य श्री विश्वशांति, अहिंसा एवं शाकाहार के प्रबल पक्षधर थे। वर्ष 2019 में आचार्यश्री की दीक्षा शताब्दी पूरे भारत में उत्साह से मनायी जा रही है।

## * विनम्र श्रद्धांजली *

* **श्री अशोक कुमार प्रेमचंद जैन** इन्दौर समाज के लिए एक जाना पहचाना नाम था। समाज कार्यों के लिए आप सदैव तत्पर रहते थे। अपने हमउम्र साथियों के साथ साथ बड़े बुजुर्गों और छोटे बच्चों से भी उनके मधुर संबंध रहे जिसे वे पूर्ण मान, सम्मान के साथ ताउम्र निभाते रहे। 10 जुलाई 19 को आपका हमारे बीच से जाना हम सभी के लिए दुखद रहा है।

आपका परिवार इन्दौर के उन पुराने परिवारों में से है जिनके आधार पर गोलालारीय समाज संगठन को बल मिला है। भाड़ा पट्टी छोड़कर जब आप विजयनगर में रहने आये तब समाजजनों के सहयोग से जिन मंदिर के निर्माण व संचालन में आपका योगदान स्मरणीय है। आप कई वर्षों तक विजय नगर मंदिर के अध्यक्ष रहे उसके पश्चात मंदिरजी के मार्गदर्शक मंडल में आपका योगदान सतत बना रहा। विजय नगर मंदिर के साथ साथ आप समाज के अनेक संगठनों से भी जुड़े रहे। सोशल ग्रुप व मुनि सेवा समिति में भी आपका विशेष योगदान रहा।

गोलालारीय समाज संगठन इन्दौर में आपका विशेष स्थान रहा है। वर्ष 2002 में न्यास गठन के पश्चात से ही आप न्यास कार्यकारिणी से जुड़े रहे। कोषाध्यक्ष पद पर रहते हुए आपका सदैव यही लक्ष्य रहता था कि समाज के प्रत्येक परिवार का नियमित सहयोग समाज को मिलता रहे। आप अंतिम समय तक न्यास के वरिष्ठ उपाध्यक्ष के पद पर आसीन रहे। आप दूरदर्शी व स्पष्ट वक्ता के साथ सामाजिक व धार्मिक कार्यों में समाजजनों को अपनत्व की भावना से जोड़कर सहयोग प्राप्त कर लेते थे। पिछले कुछ समय से अस्वस्थ होने के पश्चात भी आप सतत धर्म में संलग्न रहे। अति विपरित परिस्थितियों में आप निरंतर श्रीजी का स्मरण करते रहे। आपके जाने से इन्दौर गोलालारीय समाज को बहुत बड़ी क्षति हुई है जिसे कोई भी कभी भी पूर्ण नहीं कर सकता है। आपकी स्मृति में परिजनों ने गोलालारीय समाज न्यास के लिए 11000 रु. एवं गोलालारीय दर्शन पत्रिका को 1100 रु. की राशि प्रदान की।

* श्री योगेश कुमार भंडारी की धर्मपत्नी **श्रीमती मैनारानी भंडारी** का देवलोगमन 4 जुलाई को सागर में हो गया। आप धार्मिक कार्यों में विशेष रुचि लेती थी।

* स्व. श्री भागचंदजी जैन के पुत्र व श्री प्रदीपकुमार जी के पिताजी **श्री पुष्पेन्द्रकुमार जैन 'बछौड़ावाले'** का 23अगस्त को पुणे में देवलोकगमन हो गया। आपकी स्मृति में परिजनों ने गोलालारीय समाज को 5100 रु. की दानराशि भेंट की।

* **सवाई सिंघई श्री अनिलकुमार जैन** का निधन दिनांक 30.09.19 को शाश्वत तीर्थ श्री सम्मेदशिखरजी में वंदना करने के दौरान हो गया। आप गंजबासौदा के शिक्षाविद् सवाई सिंघई श्री नंदलालजी दिवाकीर्ति के ज्येष्ठ पुत्र थे। आपका शिक्षा के क्षेत्र में महत्वपूर्ण योगदान रहा है। जवाहरलाल नेहरु शिक्षा महाविद्यालय, गंजबासौदा के प्राचार्य पद को सुशोभित करते हुए आपने अपने कर्त्तव्यों एवं दायित्वों का सकुशल निर्वहन किया है। आप जैनम प्ले स्कूल के संचालक व कमला नेहरु उ.मा. विद्यालय के अध्यक्ष पद पर भी रहे है। अनेको उपाधि व प्रशस्ति के साथ आपने समाज में शिक्षा के लिए जागरुकता लाने का सतत प्रयास किया। जब भी, जहां भी आपको छात्रों को मार्गदर्शन देने का अवसर मिला आपने बच्चों व उनके अभिभावकों को उचित सलाह देकर उन्नति का मार्ग प्रशस्त किया।

आप सिद्धक्षेत्र पावागिरीजी, सिरोंजजी, भौंरासाजी, गुणायतन (सम्मेद शिखरजी) आदि अनेक क्षेत्रों से जुड़े रहे। वर्ष 2018 में गंजबासौदा पंचकल्याणक में मुनिश्री 108 प्रशांतसागरजी व मुनिश्री 108 अजीतसागरजी महाराज के ससंघ सानिध्य में भगवान के माता पिता बनने का सौभाग्य भी आपको प्राप्त हुआ। वाणी में मधुरता, सहर्ष स्वभाव आपके जीवन की अनमोल विशेषताएँ रही। नगर के अनेक सामाजिक व धार्मिक संस्थाओं से जुड़कर आप निरंतर सेवाकार्यों में सतत सहयोग देते रहे। आपके अवसान से गंजबासौदा समाज के साथ संपूर्ण गोलालारीय समाज को अपूरणीय क्षति हुई है।

* डॉ. पी.सी. मनोरिया की धर्मपत्नी व डॉ. पंकज व पियूष मनोरिया की माताजी **श्रीमती माया मनोरिया** का देवलोकगमन 11 अक्टूबर को भोपाल में हो गया।

* स्व. श्री मथुरादासजी डगरानेवालों की धर्मपत्नी व श्री विजय, अजय व अभय जैन की माताजी **श्रीमती सुशीलाबाई जैन** का देवलोकगमन 15 अक्टूबर को इन्दौर में हो गया। आप सरल स्वभावी व धर्मपरायण महिला थी। आपकी स्मृति में परिजनों ने गोलालारीय समाज को 5100 रु. एवं गोलालारीय दर्शन को 2100 रु. की दानराशि भेंट की।

* स्व. श्री पूरनचंदजी जैन की धर्मपत्नी व श्री स्वतंत्र जैन की माताजी **श्रीमती विमला जैन** का देवलोकगमन 24 नवम्बर को इन्दौर में हो गया। आप अत्यंत ही सरल स्वभावी महिला थी।

* स्व. श्री पंडित खेमचंदजी जैन के बड़े पुत्र व श्री विनय, विनोद जैन के पिताजी **श्री महेशचंदजी जैन** का देवलोकगमन 29 नवम्बर को इन्दौर में हो गया। आप काफी सरल स्वभाव के व्यक्ति थे। आपकी स्मृति में परिजनों ने गोलालारीय समाज को 11000 रु. एवं गोलालारीय दर्शन को 1100/– र की दानराशि भेंट की।

**गोलालारीय दर्शन परिवार की ओर से श्रद्धांजलि अर्पित करता है।**

**नोट – विधिवत जानकारी प्राप्त होने पर ही शोक संदेश का सचित्र प्रकाशन किया जावेगा।**